डिजीटल तकनीक संग राजभाषा कार्यान्वयन

संतराम यादव[1]

आज का युग नवीन तकनीक का युग है। सृष्टि का सबसे बुद्धिमान जीव होने का श्रेय मानव को प्राप्त है। मानव के बुद्धिपक्ष का विकास विज्ञान के द्वारा ही हुआ है। मानव ने अपनी बुद्धि के बल पर प्रकृति को चुनौतियां दी हैं। सृष्टि के अनेकानेक रहस्यों का उद्घाटन उसने अपने बुद्धि बल से किया है। ज्ञान और अनुभवों की विशाल परंपरा को उसने विज्ञान के रूप में प्रतिष्ठित किया है।इक्कीसवीं सदी तीव्र परिवर्तनों तथा चमत्कारिक उपलब्धियों वाली शताब्दी सिद्ध हो चुकी है। विज्ञान एवं तकनीक की बदौलत समूची दुनिया एक वैश्विक गांव में तब्दील हो रही है। आजकल स्थानीय व भौगोलिक दूरियां अपनी अर्थवत्ता खो रहीं हैं। भारतीय संस्कृति में ऋषि परंपरा और कृषि परंपरा का विशेष महत्व रहा है। मनुष्य की प्रकृति विकासशील है। वह सदैव परिवार,समाज संगठन व राष्ट्रहित में विकासोन्मुखी योजनाएं बनाकर निरंतर कार्य करता रहता है। यह एक सहज मानवीय प्रवृत्ति है कि उसे उसकी सदा चाह रहती है जो उसके पास नहीं है। भारत युवाओं का देश है और युवाशक्ति की देश के विकास में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका होती है। भाषा भावों और विचारों की संवाहक होती है। हिंदी केंद्र सरकार की आधिकारिक भाषा है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 से 351 तथा राजभाषा अधिनियम 1963 (यथा संशोधित 1967) के अनुसार 8वीं अनुसूची में 22 भाषाएं मान्यता प्रदत्त है। संपर्क भाषा, राष्ट्रीय भाषा व विश्व भाषा के रूप में हिंदी का विकास परचम दिखलाई पड़ रहा है। हिंदी राष्ट्रभाषा की गंगा से विश्वभाषा का गंगासागर बनने की प्रक्रिया में है। हिंदी को ज्ञान-विज्ञान की भाषा बनाने हेतु हम सब निरंतर प्रयासरत हैं।

संकट के समय पुरुषार्थ की पहचान

कहावत है कि पुरुषार्थ की पहचान संकट के समय पर ही होती है। सूचना प्रौद्योगिकी और विनिर्माण उद्योग अपने भीतर मौजूद अपार संभावनाओं को साकार करके दिखाने की तरफ बढ़ चले हैं। सरकार ने कहीं नए मार्ग खोलकर तो कहीं पुराने मार्गों को बंद करके अत्यंत नवोन्मेष दिखाते हुए आर्थिक विकास के नित नवीन अवसर उपलब्ध कराए हैं। जन-भावनाओं का वर्तमान उभार भी सिद्ध करता है कि इस देश का आम आदमी उठने और जागने की प्रक्रिया में है। आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत अनेकानेक प्रोत्साहन योजनाएं आई हैं। डिजिटल इंडिया की बदौलत एक अरब भारतीयों को ऑनलाइन लाने की दिशा में बड़ी सफलता मिली है। भारत की विकास कथा में वैश्विक कंपनियों की आस्था कोरोना वायरस के संकट से भी प्रभावित नहीं हुई। स्टैनफोर्ड, हार्वर्ड, एमआईटी जैसे संस्थानों से आने वाले धन का उपयोग नई पीढ़ी को नवोन्मेष, आत्मनिर्भरता, नए स्टार्टअप खोलने तथा रोजगार सृजन की ओर प्रेरित करने में किया जाएगा। आईटी के क्षेत्र में भारत की महत्वाकांक्षाओं को अब सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता।

नित नवीन तकनीकियों का आगमन हिंदी के लिए वरदान

उन्नत तकनीक हमारे लिए वरदान सिद्ध हुई हैं। आज हिंदी ने विज्ञान, तकनीक और अनुसंधान व अन्य क्षेत्रों में पैर फैला दिए हैं। हिंदी जनसंचार माध्यमों की सबसे प्रिय एवं अनुकूल भाषा बनकर निखरी है। फोनमोबाइल, टैब, लैपटॉप या कंप्यूटर जैसे साधनों , का उपयोग करते हुए मनुष्य नित नवीन जानकारी ग्रहण कर रहा है। अब हम सात समंदर पार अपने चहेतों से तकनीकी रूप से रूबरू हो रहे हैं। मोबाइलक्लाउड ,पर्सनल कंप्यूटर और इंटेलिजेंस , उपकरणों तक ऐसा कोई क्षेत्र नहीं दिखता जिसमें

---

[1] केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसन्धान संस्थान, हैदराबाद

हिंदी की उपस्थिति न हो। डेटा विश्लेषण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बिग डेटा आदि तमाम आधुनिकतम क्षेत्रों में हिन्दी का प्रयोग हो रहा है ध्वनिमशीन अनुवाद और कम्प्युटर दृष्टि जैसे क्षेत्रों में भी हिन्दी मौजूद है । हिंदी को वैश्विक संदर्भ देने में उपग्रह-चैनलों, विज्ञापन एजेंसियों, बहुराष्ट्रीय निगमों तथा यांत्रिक सुविधाओं का विशेष योगदान है। आजकल दक्षिण पूर्व एशिया, मॉरीशस, चीन, जापान, कोरिया, मध्य एशिया, खाडी देशों, अफ्रीका, यूरोप, कनाडा तथा अमेरिका तक हिंदी कार्यक्रम उपग्रह चैनलों के जरिए प्रसारित हो रहे हैं। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, सन, याहू, आईबीएम तथा ओरेकल जैसी विश्वस्तरीय कंपनियां निरंतर हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दे रही हैं। बीबीसी का समाचार पत्र हिंदी में ऑनलाइन उपलब्ध है। माइक्रोसॉफ्ट का हिंदी बाजार बढ़ रहा है। गूगल जैसा सर्च इंजन हिंदी की ओर अभिमुख है।सरकारी स्तर पर हिंदी को तकनीक व कंप्यूटर से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। विश्व की भाषाओं का मशीनी अनुवाद हिंदी में उपलब्ध कराने हेतु सी-डैक, पुणे ने मंत्र सॉफ्टवेयर विकसित किया। स्पीच टू टेक्स्ट, टेक्सट टू स्पीच सॉफ्टवेयर तथा प्रबोध, प्रवीण, प्राज्ञस्तरीय पाठ्यक्रमों का ज्ञान व आसानी से हिंदी सीखने हेतु लीला सॉफ्टवेयर उपलब्ध है।

विविध यूनिकोड फांट

अतीत में हमने बुरे से बुरे स्वपनों का सामना करते हुए विभिन्न सॉप्टवेयरों की सहायता से हिंदी के रथ को खींचा है। समय बदलता गया और यूनिकोड का आगमन हमारे लिए वरदान साबित हुआ। हिंदी में यूनिकोड फांट में मंगल फांट के साथ अपराजिता , कोकिला, निर्मला, एरियल यूनिकोड एमएस और उत्साह जैसे अनेकानेक फांट उपलब्ध हैं। भारत सरकार के इलेक्ट्रानिकी और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के टीडीआईएल कार्यालय ने लगभग पचास हिंदी यूनिकोड फांट निशुल्क उपलब्ध कराए हैं। गूगल ने भी दर्जन भर यूनिकोड देवनागरी फांट डाउनलोड हेतु उपलब्ध कराए हैं। एडोबी ने एडोबी देवनागर लिनक्स पर लोहित तथा अनेक संस्थानों ने यूनिकोड फांट जारी किए हैं। सम्मिटमॉड्यूलर जैसे , संस्थानों ने अपने पारंपरिक फांटों को यूनिकोड में बदलकर अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध कराया है।वर्तमान में हिंदी के लगभग डेढ सौ से भी अधिक यूनिकोड फांट प्रयोगकर्ताओं हेतु उपलब्ध हैं।

फांट कनवर्टर

हमारा पुराना कार्य व्यर्थ साबित न होने पाए इसलिए पुराने फांट को यूनिकोड के मंगल फांट में आसानी से बदला जा सकता है। केवल कुछ प्रतिशत आउटपुट देने से पुरानी सामग्री तुरंत नवीन रूप में प्रस्तुत हो जाती है। ये फांट कनवर्टर www.cdac.in, www.ildc.in, www.rajbhasha.nic.in, www.pratibhaas.blogspot.com आदि वेबसाइटों पर आसानी से उपलब्ध हैं।TBIL Data Converter एक ऐसा बहुप्रचलित सॉफ्टवेटर है जो आपकी पुरानी TEXT – txt files, WORD – doc, docx files, EXCEL – xls, xlsx files, Access – mdb, accdb files, SQL – SQL Database आदि फाइलों में किए गए संपूर्ण कार्य को तुरंत ही मंगल यूनिकोड फांट में परिवर्तित कर देता है।

मनपसंद भाषा में ब्लॉग बनाना हुआ आसान

आजकल हमारा अधिकांश कार्य मोबाइल, टैब, लैपटाप या कंप्यूटर पर निबट जाता है।अब हम अपना स्वयं का ब्लॉग बना सकते हैं। हम अपनी साइट या पोर्टल बनाकर हिंदीअंग्रेजी व अन्य , भाषाओं में कार्य करके अपनी इच्छा पूरी कर सकते हैं। wordpress.com; blogspot.com जैसी वेबसाइटों पर अपना ई-मेल देकर पिक्चरगाने, स्वयं , – के गीत या अपना जीवन परिचय आदिजनता–जनार्दन हेतु उपलब्ध कर अपने शौक पूरे कर सकते हैं ।

मनपसंद टाइपिंग प्रणाली अपनाइए

वर्तमान में हमारे पास इनस्क्रिपट, फोनेटिक और टाइपराइटर नामक कीबोर्ड के- माध्यम से कार्य करने की सुविधा उपलब्ध हैं। पुरातन टाइपिंग पद्धति से कंप्यूटर पर कार्य करने के लिए कुछ डेवलपर्स ने Hindime.exe, HIME.exe, HindiRemington.exe, Hindi-Toolkit.exe नामक टूल्स उपलब्ध कराए हैं जिनसे टाइपिंग करना संभव हैं। कंप्यूटर व मोबाइल पर इनस्क्रिप्ट या ट्रांसलिटरेशन जैसी टाइपिंग पद्धतियों को सीखकर कार्य कर सकते हैं। इसमें इनस्क्रिप्ट कीबोर्ड सर्वश्रेष्ठ है क्योंकि यह हर वातावरण हर उपकरण, हर ऑपरेटिंग ,सिस्टम में पहले से ही मौजूद रहता है।

टंकण भूलिए और बोलकर काम निबटाइए

हमें अपने कीमती समय के एक एक पल को संजोना है। आजकल कंप्यूटर हमारी स्पीच को पहचानकर बोली गई भाषा में तुरंत टंकित कर देता है। इसमें हम एडिट और डिलीट भी कर सकते हैं। कुल मिलाकर अंग्रेजी में किया जाने वाला कार्य हिंदी में भी करना संभव है।

कंप्यूटर पर अनुवाद व स्पैल चैक सुविधा

विंडोज 10 में हम एम एस वर्ड में सीधे अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद कर सकते हैं। अंग्रेजी की भांति हिंदी में भी स्पैल चैक कर सकते हैं। यह सुविधा नवीनतम कंप्यूटरों में उपलब्ध होने से हमारा ऑफिस में अनुवाद व अन्य हिंदी कार्य करना बहुत ही आसान हो गया है। इससे न केवल समय की बचत होती है अपितु त्रुटिपूर्ण अनुवाद कार्य पलक झपकते ही उपलब्ध हो जाता है।

स्क्रीनशॉट टेक्स्ट ट्रांसलेशन

अंग्रेजी वेबसाइट 9to5Google से प्राप्त जानकारीनुसार गूगल लेंस में नया अपडेट आ रहा है, जिसकी मदद से स्क्रीन शॉट लेने पर ऊपर की तरफ गूगल लेंस का आइकन पॉपअप होगा, जिसपर क्लिक करते ही लेंस अपना काम करना शुरू कर देगा। इसके लिए किसी टेक्स्ट को सेलेक्ट करने की जरूरत नहीं होगी। स्क्रीनशॉट पर टेक्स्ट ट्रांसलेशन के अलावा स्क्रीन शॉट्स पर लिखे टैक्स्ट को कॉपी भी किया जा सकता है, जिसे आप ऑफलाइन में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। साथ ही इस टैक्स्ट को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और ट्विटर पर शेयर किया जा सकेगा। इसके लिए यूजर्स लैंग्वेज को ऑफलाइन इस्तेमाल के लिए डाउनलोड कर सकता है, जो स्क्रीनशॉट्स पर लिखे टैक्स्ट को ट्रांसलेट करने में मदद करेगा।

हमारी आवाज में ही ऑडियो ट्रांसलेट कर देगा 'गूगल ट्रांसलेशन टूल'

गूगल का ऑडियो ट्रांसलेशन टूल अपनी तरह का पहला सिस्टम है, जो बोलने वाले की आवाज में ही अनुवादित ऑडियो सुनाएगा। गूगल के ट्रांसलेशन टूल से किसी एक भाषा में आवाज सुनकर उसे दूसरी भाषा में ट्रांसलेट करना संभव हुआ है। इसकी विशेषता यह है कि ट्रांसलेशनके बाद बोलने वाले की ओरिजनल आवाज में ही दूसरी भाषा में अनुवादित परिणाम सुनने को मिलेंगे। इस तरह किसी बात को दूसरी भाषा में समझाने या सुनने के लिए उसे टेक्स्ट फॉरमैट में लिखना नहीं पड़ेगा। गूगल का 'Translatotron' नामक यह सिस्टम बोलने वाले की आवाज में ही आउटपुट देकर समझने वालों के लिए इसे आसान बना देगा। यह पहला एंड टू एंड मॉडल है जो सीधे कही हुई बात को एक से दूसरी भाषा में ट्रांसलेट कर सकता है। हमें आउटपुट यूजर की नहीं बल्कि गूगल असिस्टेंट की आवाज में सुनाई देगा। अब तक, गूगल का ट्रांसलेशन सिस्टम तीन स्तर पर काम करता है। सबसे पहले ऑटोमैटिक स्पीच रेकग्निशन में आवाज सुनकर उसका टेक्स्ट डिवाइस पर टाइप हो जाता है। इसके बाद मशीन एक से दूसरी भाषा में इसे सामान्य टेक्स्ट की तरह ट्रांसलेट कर देती है। आखिरी स्टेप में टेक्स्ट स्पीच नए अनुवादित टेक्स्ट में बोलकर सुना देता है।

विज्ञापन की दुनिया में हिंदी का प्रसार

हिंदी पत्रकारिता में डिजिटल तकनीकी और बहुरंगे चित्रों के प्रकाशन की सुविधा ने बाजारी व्यवस्था को परिवर्तित कर दिया है। टेलिविज़न पर प्रसारित कार्यक्रमों को व्यवसायिकता की दृष्टि से हिंदी एक बहुत बड़ा क्षेत्र उपलब्ध कराती है। यह हिंदी का ही कमाल है कि आज राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के उत्पादों को हम गांवों में प्राप्त कर सकते हैं। आजकल छोटे - छोटे कस्बों तक सौंदर्य प्रसाधनों में सैलून को गुजरे जमाने का शब्द मानकर 'ब्यूटी पार्लर' प्रचलित है। होर्डिंग्स पर लोक लुभावन हिंदी विज्ञापनों व नारों ने शहरी सीमा को लांघकर कस्बों और गांवों में जगह बना ली है। इंटरनेट और वेबसाइट ने पत्र व पत्रिकाओं के ई संस्करणों तथा पूर्णरूप से ऑनलाइन पत्र व पत्रिकाओं को उपलब्ध कराकर सर्वथा नई दुनिया के दरवाजे खोल दिए हैं।

गागर में सागर

भारत सरकार के राजभाषा विभाग की वेबसाइट www.rajbhasha.nic.in पर ई हिन्दी विभिन्न निर्देशों –आदेशों ,उपकरणों की जानकारी लेना संविधान में हिन्दी के बारे   बारे मेंलिखी गई बातों की जानकारी लेना या नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की सूचना प्राप्त करना आदि ऐसे अनेकानेक शीर्षकों से उसमें मोती जड़ दिए गए हैं जिससे कि आपको कहीं और जाने की जरूरत ही महसूस नहीं होती। इनमें हिंदी शब्दकोश के अंतर्गत हिंदी शब्द सिंधु संस्करण, स्मृति आधारित कंठस्थ संस्करण, कंठस्थ वीडियो, ई- महाशब्दकोश, लीला हिंदी प्रवाह, हिंदी स्वयं शिक्षण के अंतर्गत लीला प्रबोध, प्रवीण व प्राज्ञ नामक पाठयक्रमों का अध्ययन करना आदि प्रमुख हैं। यहां गूगल के माध्यम से सर्च या खोज सुविधा भी उपलब्ध है। कुल मिलाकर राजभाषा के संदर्भ में यह वेबसाइट गागर में सागर का काम कर रही है। इसके इतर हिंदी कुंज नामक वेबसाइट पर कहानी, उपन्यास, नाटक, पुस्तक, उपलब्ध है। उर्दू शायरी व पसंदीदा पुस्तक, हिंदी पत्रिकाएं www.sahityakunj.com पर उपलब्ध हैं। अंग्रेजी हिन्दी शब्दकोश www.hindikunj.com वैबसाइट पर उपलब्ध हैं।

आभासी सहायक (वर्चुअल असिस्टेंट)

कंप्यूटर व मोबाइल की दुनिया में अमेजान का अलेक्सा, गूगल का गूगल असिस्टेंट, माइक्रोसॉफ्ट की कोर्टाना और एपल की सिरी नामक चार वर्चुअल असिस्टेंट का बोलबाला है। स्मार्ट स्पीकर के रूप में अमेजान की अलेक्साई को डिवाइस और गूगल का गूगल होम स्मार्ट उपकरण हिंदी में न केवल सुनने ही लगे हैं अपितु जवाब भी देने लग गए हैं। वीडियो कॉलिंग हेतु इसके डिस्प्ले वाले वर्जन (संस्करण) का इस्तेमाल किया जा सकता है। गूगल होम से हिंदी में बातचीत कीजिए तो वह हमें दुनिया जहान की जानकारियां लाकर दे देगा। हिंदी भाषा में हमारे आसपास के अस्पतालों की जानकारीमौसम का , हाल यहमारे एरिया के ट्रैफिक जाम की जानकारी तुरंत ही उपलब्ध हो जाती है। माइक्रोसॉफ्ट की कोर्टाना हिंदी में टाइपिंग ,इंटरनेट सर्च और तमाम किस्म की गड़ना कर देती है। इसमें हिंदी अनुवाद करने, पाठ्य (टेक्स्ट) लिखने और बोलने की क्षमता मौजूद है। यह स्मार्टस्पीकर और डिस्प्ले स्क्रीन में मिलता है। संवाद का तरीका सभी में लगभग एक जैसा है। इनमें हम बोलकर निर्देश देते हैं या पूछते हैं तो वे हमारी बातों पर अमल करते हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस(एआई) जरूरत आज की

हमारा भविष्य आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के हाथ में है। एक बहुभाषी और सांस्कृतिक विविधता वाले देश में शिक्षा , तकनीकी, प्रोद्योगिकी, व्यवसाय, आजीविका प्रशासन एवं प्रबंधकीय निर्णय प्रक्रियाओं के विकास से जुड़ना अब जरूरी हो गया है। आर्टिफिशियल डाटा, इंटरनेट, सेंसर तकनीकों, इंटेलिजेंस ई-क्लाउड कम्प्यूटिंग, एनोलिटिक्स इंटरनेट ऑफ थिंग्स और तेज तर्रार संचार प्रणालियों की मौजूदगी है। इसमें रोबोट के डिजाइनिंग, उनकी

प्रोग्रामिंग, नए एप्लीकेशन के विकास, रिसर्च, ऑपरेशन, टेस्टिंग, सिस्टम मेंटेनेंस, रिपेयरिंग आदि के बारे में बताया जाता है। कंप्यूटर साइंस,आईटी, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रूमेंटेसन में से किसी भी क्षेत्र में डिग्री धारी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, रोबोटिक्स, एडवांस रोबोटिक्स सिस्टम आदि स्पेशलाइजेशन कोर्स में एडमिशन लेकर पीएचडी तक कर सकते हैं। बाद में गेम प्रोग्रामर तथा फेस रिकॉग्नेशन सॉफ्टवेयर डेवलपर के रूप में भी काम कर सकते हैं। देश में कुशल पेशेवरों की उपलब्धता, डेटा की प्रचुरता, कनेक्टिविटी की सुगमता, युवा पीढ़ी की बहुत बड़ी संख्या सरकार का जोश और भारत के प्रति दुनिया के भरोसे के कारण हम वाकई छलांग लगा जाने की स्थिति मे हैं । वह दिन दूर नहीं हमारे जैसे जन जीवन में आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस, कारोबार, सरकारी कामकाज, सेवाओं, उपकरणों आदि में दबदबा जमा चुकी होगी। नवंबर, 2022 में लांच हुए माइक्रोसॉफ्ट की सपोर्ट वाले चैट जीपीटी चैटबॉट ने पूरी दुनिया को अपना दीवाना बना दिया है। गूगल के एआई बेस्ड चैट साफ्टवेयर गूगल बार्ड ने भी अपनी एंट्री मार ली है। यह एक बातचीत करने वाला चैटबॉट है, जो LaMDA बेस्ड है तथा गूगल के लैंग्वेज मॉडल फॉर डायलॉग एप्लिकेशन सिस्टम पर काम करता है। अगर कोई यूजर बार्ड से स्वाल पूछेगा तो यह इंसानों की तरह जबाव देगा।आशा है ये सभी सुविधाएं शीघ्र ही हिंदी भाषा में भी उपलब्ध होंगी।

निष्कर्ष

सर्वे भवन्तु सुखिनःसर्वे सन्तु निरामयाः। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत् ॥ अर्थात् "सभी सुखी होवें, सभी रोगमुक्त रहें, सभी मंगलमय घटनाओं के साक्षी बनें और किसी को भी दुःख का भागी न बनना पड़े।" भारत इसी भावना के साथ सबकीमदद करता है। प्राचीन सभ्यता से परिपूर्ण हमारे युवा देश का गौरवशाली भूतकाल था और शानदार भविष्य प्रतीक्षारत है। भारत अब तक कंप्यूटरीकरण के श्रीगणेश से लेकर कई परिवर्तनों का साक्षी और सहभागी रहा है। देश में कंप्यूटर, मोबाइल, टैब आदि का आरंभ अवश्य ही अंग्रेजीमय था परंतु, अब अपनी पसंदीदा भाषा में कार्य करके मनवांछित फल की तमन्ना पूरी हो जाती है। 'स्पेल चैकर' द्वारा त्रुटियां ठीक कर लेते हैं। ऑन लाइन ई सार्टिंग, अनुवाद , शब्दकोश सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। इंटरनेट में ईमेल और वैब पेज़ प्रयोग हेतु - देवनागरी के यूनिकोड फांट की उपलब्धता हीहिंदी की समृद्धि का प्रतीक है। फेसबुकट्विटर, गूगल , ,प्लस, यूट्यूब गो, यूट्यूब, टिकटॉकइंस्टाग्राम स्काइप टेलीग्राम, थ्रीमा, श्योर स्पॉट, लिंक्डइन जैसी सोशल साइट्स पर जाइए और मन माफिक फल पाइए। पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन की अन्य भाषाओं में अनुवाद सुविधा का फायदा उठाइए। राजभाषा विभाग की वेबसाइट से लीला हिंदी प्रवाह दी स्वयहिं शिक्षण , मोबाइल ऐप कंठस्थ व मशीन अनुवाद ई-महा शब्दकोश श्रुतलेख राजभाषा ,प्रवाचक राजभाषा स्पीच से टेक्स्ट और हिन्दी फॉन्ट कन्वर्टर लाभ लीजिये। आजकल हिंदी भाषा में संवाद का तरीका धडल्ले से अपनाया जा रहा है। संपर्क स्थापना हेतु हस्तलिखित पत्राचार का स्थान अब मोबाइलईमेल , या सोशल मीडिया के अनेकानेक प्लेटफार्मों ने ले लिया है। परिवर्तन सृष्टि का नियम है और नवीनतम तकनीक की हिंदी में उपलब्धता निरंतर बढ़ रही है। अंत में जिस तरह उजाला अंधियारे को चीरकर आशा की नई किरण पाता हैउसी तरह भारतीय भी जिंदगी , और प्रकृति के थपेड़ों को सहते हुए हर बार शरीर में नई कोपलों को प्रस्फूटित होते देखने के लिए लालायित रहता है। वह नित नवीन उत्पादन की खोज में अग्रसर है। नित नवीन तकनीकियों का आगमन और उनमें हिंदी की उपलब्धता हमारे लिए वरदान साबित होती जा रही है। राजभाषा कार्यान्वयन में ये सभी सहायक की भूमिका अदा कर रही हैं।